

फागण का नज़ारा है

फागण का नज़ारा है,
आयी है खाटु से चिड़ियाँ, श्याम बाबा ने पुकारा है.....

हमने सुना है फागण में मेला लगता है भारी,
दूर दूर तक है चर्चा मेले की महिमा न्यारी,
जो एक बर जाता है, आता तो है लेकिन दिल हार के आता है...

लाखों लाखों निशान लिए, चलते हैं सब मतवारे,
सारे रस्ते गुँजते हैं, श्याम नाम के जय कारे,
सुन सुन के उछलता है, प्रेमी से मिलने को ये खुद भी मचलता है.....

राज उसे जब प्रेमी की यादें बहुत सताती हैं,
मोड़ता है रुख बादल का और फागण रुत आती है,
फागण के बहाने से, मन को सुकून मिले खाटु में जाने से....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30734/title/faagan-ka-nazara-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |